एम.ई.सी

एम.ए.
(अर्थशास्त्र)

सत्रीय कार्य ;2020.21
द्वितीय् वर्ष
(जुलाई 2020 और जनवरी 2021 सत्र हेतु)

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली .110 068

एम.ए. (अर्थशास्त्र)

सत्रीय कार्य ;2020.21

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि एमईसी के लिए कार्यक्रम दर्शिका में वर्णित है, पाठ्यक्रम में सत्रीय कार्यों की अधिभारिता 30: है और पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए आपको सत्रीय कार्यों में न्यूनतम 40: अंको की प्राप्ति अवश्य करनी होगी। ध्यान दें, सत्रीय कार्यों को जमा किये बिना आप सत्रांत परीक्षा नहीं दे सकते हैं। सत्रीय कार्य पूरे करने से पहले, कृपया आप अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में प्रदत्त निर्देशों को पढ़ लें। प्रथम वर्ष में पाँच अनिवार्य पाठ्यक्रम हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम में अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य(टीएमए) शामिल हैं। आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए अलग से सत्रीय कार्य तैयार करके इन्हें जमा कराना है। सुनिश्चित करें कि आपने उन सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य निर्धारित समय में जमा किए हैं, जिनकी सत्रांत परीक्षा देने की योजना आपने बनाई है।

जमा कराना

पूरा किया गया सत्रीय कार्य **अपने अध्ययन केंद्र के संचालक** के पास निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार जमा कराएँ:

जुलाई 2020 चक्र के विद्यार्थियों के लिए:	**31.03.2021**
जनवरी 2021 चक्र के विद्यार्थियों के लिए:	**30.09.2021**

एम.ई.सी.–006 : सार्वजनिक क्षेत्र का अर्थशास्त्र
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.–006
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी.-106/ए.एस.टी./2020-21
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। भाग 'क' का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है (प्रत्येक की उत्तर सीमा लगभग 500 शब्द है)। भाग 'ख' का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है (प्रत्येक की उत्तर सीमा लगभग 300 शब्द है)। परिमाणात्मक प्रश्नों पर शब्द सीमा लागू नहीं होती।

भाग – क

1. 'लोक व्यय के सिद्धांत' का आधारभूत विचार क्या है? संक्षेप में चर्चा करें। यह भी बताएं कि लिन्डॉल कीमत निर्धारण का तर्काधार क्या है?

2. उपयोगिताओं की कीमत नियत करने में 'सामाजिक अभीष्टता की कसौटी को पूरा करने की आदर्श शर्तें बताइए। उपयोगिता कीमत निर्धारण के श्रेष्ठतम समाधानों की आलोचनात्मक समीक्षा भी करें।

भाग–ख

3. अलग-अलग कर दरों को प्रयोग करके यह दर्शाएं कि 'विशुद्ध हानि' को किस प्रकार न्यूनतम किया जा सकता है?

4. प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री लोक ऋण का विरोध किस आधार पर करते थे? इस (लोक ऋण) के संदर्भ में आधुनिक अर्थशास्त्रियों का (वितरीत) मत क्या है?

5. सामाजिक क्षेम फलन क्या है? सैम्युलसन-बर्गसन के सामाजिक क्षेम फलन जनित समभाव वक्रों की सहायता से समझाएं।

6. माध्यिका मतदाता की वरीयता की पहचान के बोवेन तथा ब्लैक के प्रतिमानों पर चर्चा करें।

7. अंतर्राष्ट्रीय समन्वय की मुख्य समस्याएं बताइए। इनके समाधान के लिए विधियाँ सुझाइए।

एम.ई.सी.–106 : सामाजिक क्षेत्र का अर्थशास्त्र
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.–106
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी.-106/ए.एस.टी./2020-21
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। भाग 'क' का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है (प्रत्येक की उत्तर सीमा लगभग 500 शब्द है)। भाग 'ख' का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है (प्रत्येक की उत्तर सीमा लगभग 300 शब्द है)। परिमाणात्मक प्रश्नों पर शब्द सीमा लागू नहीं होती।

भाग – क

1. विभिन्न सामाजिक क्षेम फलनों में अंतर्निहित क्षेम की उन संकल्पनाओं की चर्चा करें जो सार्वजनिक क्षेत्र के अर्थशास्त्र में नीतियों के आधार की रचना करती हैं।

2. लोक पदार्थों के संदर्भ में लिन्डॉल और सैम्युलसन के सैद्धांतिक प्रतिमानों की व्याख्या करें।

भाग–ख

3. बाह्यताओं की समस्या में करों तथा संपदा अधिकारों के उपायों से नकारात्मक बाह्यताओं के आंत्रिकरण की रूपरेखा समझाइए।

4. शर्तों सहित ऍरो की असंभाव्यता प्रमेय बताए। ऍरो के प्रमेय में असंभाव्यता के तत्वों के उद्धरण भी स्पष्ट करें।

5. सार्वजनिक व्यय में 'राजस्व अधिकतमीकरण' की विधि के तर्कों पर भी प्रकाश डालें।

6. स्थापना करें कि किस प्रकार 'प्रतिस्पर्धा अपूर्णता' की दशा में सरकार समग्र सामाजिक क्षेम संवर्धन कर सकती है?

7. किसी अर्थव्यवस्था में मुद्रा की आवश्यक आपूर्ति बनाए रखने की 'वैकल्पिक युक्तियाँ' स्पष्ट करें।

एम.ई.सी.–007 : अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं वित्त
सत्रीय कार्य

कोर्स कोड : एम.ई.सी.–007
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी.–007/ए.एस.टी./2020–21
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्न के उत्तर दीजिए। खण्ड 'अ' का प्रत्येक प्रष्न 20 अंक का है (प्रत्येक प्रष्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दें) तथा खण्ड 'ब' का प्रत्येक प्रष्न 12 अंक का है (प्रत्येक प्रष्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दें) सांख्यिकी प्रष्नों पर शब्द सीमा लागू नहीं है।

खण्ड–अ

1. रिकार्डो के तुलनात्मक लाभ सिद्धान्त की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। यह सिद्धांत ऐडम स्मिथ के निरपेक्ष लाभ सिद्धांत से किस प्रकार भिन्न है ?

2. आयात–निर्यात मूल्य स्थिति (Tersm of Trade) के विभिन्न अवधारणों को समझाइये। प्रीविश द्वारा समझाये गये आयात–निर्यात मूल्य स्थिति के व्यवहार की आलोचनात्मक जांच कीजिए।

खण्ड–ब

3. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की बहुमुखी ढांचा समझाइये। इसके मुख्य विशेषतायें समझाइये।

4. आर्थिक एकिभवन (Integration) के विभिन्न रूप क्या हैं ? व्यापार फिराव (Diversion) किस तरह व्यापार सृजन (Creation) से मित्र है ?

5. अंर्तराष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली के उद्भव (evolution) की व्याख्या कीजिए। अंतर्राष्ट्रीय मौद्रिक तथा वित्तीय प्रणालियों के प्रवृत्तियों की जांच कीजिए।

6. व्यापार संरक्षक के विभिन्न साधनों की चर्चा कीजिए। कोटा (Quota) तथा टैरिफ में अंतर में अंतर स्पष्ट कीजिए।

7. स्थिर तथा लचीले विनिमय दरों के तुलनात्मक गुण तथा अवगुणों की आलोचनात्मक जांच कीजिए।

एम.ई.सी.ई.–008 : सामाजिक क्षेत्र और पर्यावरण का अर्थशास्त्र
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.–008
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी.ई.008/ए.एस.टी.(टी.एम.ए.)/2020-21
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। भाग 'क' का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है (प्रत्येक की उत्तर सीमा लगभग 500 शब्द है)। भाग 'ख' का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है (प्रत्येक की उत्तर सीमा लगभग 300 शब्द है)। परिमाणात्मक प्रश्नों पर शब्द सीमा लागू नहीं होती।

भाग – क

1. आय के स्तर को विकास का सूचक मान लेना किस प्रकार से विकास के बहुआयामी स्वरूप के निरूपण के उद्देश्य का हनन कर देता है? व्याख्या करें।

2. उपयुक्त सैद्धांतिक तर्कों के आधार पर गोर्डन के इस विचार पर चर्चा करें कि किसी मत्स्यकी का अभीष्ट आकार वह है जो धारणीय रूप से संसाधन लगान को अधिकतम करता हो।

भाग – ख

3. 'नवक्लासिकी अर्थशास्त्र' से 'संस्थात्मक अर्थशास्त्र' की ओर संक्रमण की व्याख्या करें।

4. पर्यावरण प्रकार्यों के मूल्यांकन की 'आभास कीमत' और 'सुखाय कीमत' विधियों में मूल अंतर क्या है?

5. विभिन्न प्रकार के 'सांझा संपदा संसाधनों' पर एक टिप्पणी लिखें।

6. सहस्त्राब्दी 2000 के प्रारंभिक वर्षों में भारत में 'शिक्षा व्यय' के क्षेत्रीय अंतर स्पष्ट करें।

7. सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में 'प्रयोक्ता शुल्क' लागू किए जाने के पक्ष का पोषण करें। ऐसे विचार के पक्ष-विपक्ष में क्या तर्क दिए जा सकते हैं?

एम.ई.सी.–108 : सामाजिक क्षेत्र और पर्यावरण का अर्थशास्त्र
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.–108
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी.-108/ए.एस.टी./2020-21
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। भाग 'क' का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है (प्रत्येक की उत्तर सीमा लगभग 500 शब्द है)। भाग 'ख' का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है (प्रत्येक की उत्तर सीमा लगभग 300 शब्द है)। परिमाणात्मक प्रश्नों पर शब्द सीमा लागू नहीं होती।

भाग – क

1. पर्या अवक्रमण की ओर ले जाने वाली विभिन्न ''बाज़ार के विफलता'' की स्थितियों पर चर्चा करें।

2. श्रमिकों के स्वास्थ्य और उत्पादिता में योगदान करने में 'दक्षता मज़दूरी' के महत्त्व पर चर्चा करें।

भाग–ख

3. समझाएं कि किस प्रकार गरीबी कुपोषण का एकमात्र निर्धारक नहीं है।

4. अनवीकरणीय संसाधनों के अभीष्ट प्रयोग में आने वाली मूलभूत चुनौतियों पर चर्चा करें।

5. अ-सतत् तथा सतत् काल परिवेशों में नवीकरणीय संसाधनों के अभीष्ट प्रयोग विषयक परिणामों की व्युत्पत्ति करें।

6. सार्वजनिक सेवाओं के प्रावधान के संदर्भ में 'अर्द्ध बाज़ार' की संकल्पना का वर्णन करें।

7. मुफ्तख़ोरी की विद्यमानता और अभाव दोनों दशाओं में स्वास्थ्य बीमा क्रय के लिए अभीष्टता की शर्तों की व्युत्पत्ति करें।

एम.ई.सी.–109 : अर्थशास्त्र में अनुसंधान विधियाँ
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.–109
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी.-109/ए.एस.टी./2020-21
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। खंड–क में प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है और इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 700 शब्दों में देना है। खंड–ख से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना है। खंड–ख से प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है।

खंड – क

1. विज्ञान के निर्वचनात्मक दर्शन की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं? अर्थशास्त्र से एक उपयुक्त उदाहरण का प्रयोग करके निर्वचनात्मक शोध विधि का प्रयोग करते हुए लभग 500 शब्दों में एक शोध प्रस्ताव लिखिये।

2. आँकड़े एकत्र करने के उपकरणों तथा आँकड़े एकत्र करने की विधियों में क्या अंतर है? यादृच्छिक प्रतिचयन की विधियों की चर्चा कीजिए। आप एक उपयुक्त प्रतिचयन की विधि का चयन कैसे करोगे?

खंड – ख

3. प्रतीपगमन प्रतिमान के कार्यात्मक रूपों को बताइये। आप प्रतीपगमन रेखीय प्रतिमान के आकलित प्रतीपगमन फलन β का निर्वाचन किस प्रकार करोगे?

4. लोरेंज वक्र की विशेषताओं (properties) को बताइये। किन स्थितियों में दो लोरेंज वक्रों के बीच तुलना दो वितरणों के मध्य असमानता की तुलना करने में असमर्थ होती है?

5. सहगामिता विश्लेषण क्या है? सहगामिता विश्लेषण में सम्मिलित विभिन्न चरणों की सोदाहरण व्याख्या कीजिये।

6. सहभागिता शोध क्या है? सहभागिता शोध के अंतर्गत कौन-कौन से चरण सम्मिलित होते हैं?

7. रोज़गार पर आँकड़े प्रदान करने वाले विविध क्षेत्रों को बताइये। विभिन्न पंचवार्षिक सर्वेक्षणों में NSSO द्वारा प्रयुक्त रोज़गार एवं बेरोज़गारी के मापकों की व्याख्या कीजिये।

एम.ई.सी.ई.–001: अर्थमिति विधियाँ
(सत्रीय कार्य)

पाठयक्रम कोड : एमईसीई–001
सत्रीय कार्य कोड :एमईसीई–001/2020–21
अधिकतम अंक: 100

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग क

दीर्घ उत्तर प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए)। 20×2 = 40

1) स्वसहसंबंध से आप क्या समझते हैं? स्वसहसंबंध के परिणाम क्या हैं? आप एक आँकड़ा समूह में स्वसहसंबंध का पता कैसे लगाते हैं? स्वसहसंबंध की समस्या को दूर करने के लिए आप किन चरणों का अनुसरण करेंगें? स्पष्ट कीजिए।

2) समाश्रण समीकरण पर विचार कीजिए।

$yi = \alpha + \beta xi + u_i$ जहाँ u_i प्रसंभाव्य त्रुटि है।

(क) मॉडल में u_i को सम्मिलित करने की आवश्यकता को स्पष्ट कीजिए।
(ख) गॉस–मार्कोव प्रमेय को सिद्ध करने के लिए त्रुटि के संबंध में किन अवधारणाओं की आवश्यकता पड़ती है?
(ग) गॉस–मार्कोव प्रमेय को β के आकलन के लिए सिद्ध कीजिए।

भाग ख

मध्यम उत्तर प्रश्न (प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दीजिए)। 12×5 = 60

3) विषम विचालिता (heteroscedasticity) से क्या अभिप्राय है? विषम विचलिता की समस्या के किसी एक निवारक उपाय को स्पष्ट कीजिए।

4) गत्यात्मक निदर्श से क्या अभिप्राय है? बताइए कि निम्नलिखित मॉडल का आकलन कैसे किया जा सकता है?

$$y_t = \propto + \beta x_t + \gamma y_{t-1} + u_t$$

जहाँ $|\gamma| < 1$ और $u_t = \rho\, u_{t-1} + v_t$ उपयुक्त मॉडल में v_t स्वतंत्र, प्रसामान्य रूप से माध्य शून्य और प्रसरण σ^2 और $|\rho| < 1$ के बंटित है।

5) अप्रत्यक्ष न्यूनतम वर्ग (ILS) विधि से क्या अभिप्राय है? बताइए कि इस विधि के प्रयोग से निम्नलिखित मॉडल कैसे आकलित किया जा सकता हैं?

माँग फलनः $Q_t = a_{0+} a_1 P_t + a_2 x_t + u_{1t}$
आपूर्ति फलनः $Q_t = \beta_{0+} \beta_1 P_t + u_{2t}$

जहाँ Q = परिमात्रा, P = कीमत और x = आय हो

6) समान्यीकत न्युनतम वर्ग (GLS) विधि के माध्यम से प्राचलों के आकलन में अनुसरणीय चरणों के स्पष्ट कीजिए।

7) बहुसरेखता की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए। आकलन पर इसके परिणाम क्या हैं? बहुसरेखता की समस्या को दूर करने के लिए आप किन निवारक–उपायों का सुझाव देंगें?

एम.ई.सी.ई.–003 : बीमांकिकी अर्थशास्त्र : सिद्धांत और व्यवहार
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः एम.ई.सी.ई.–003
सत्रीय कार्य कोड : एम.ई.सी.ई.003/ए.एस.टी.(टी.एम.ए.)/2020-21
पूर्णांक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। भाग 'क' का प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है (प्रत्येक की उत्तर सीमा लगभग 500 शब्द है)। भाग 'ख' का प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है (प्रत्येक की उत्तर सीमा लगभग 300 शब्द है)। परिमाणात्मक प्रश्नों पर शब्द सीमा लागू नहीं होती।

भाग – क

1. (क) ब्याज का यादृच्छिक प्रतिमान बनाना क्यों आवश्यक है? ब्याज़ के यादृच्छिक प्रतिमान को किस प्रकार विकसित किया जाता है?

   (ख) विश्वस्तता सिद्धांत के प्रतिष्ठित एवं बेजियन विश्लेषण के लक्षणों में भेद करें।

2. आपको 'वित्त और बीमा नियमों' के बीच अंतर्क्रियाएं दर्शानी हैं। आप 'इकाई सहबद्ध बीमा अनुबंधों' की सहायता से इस समस्या का वर्णन किस प्रकार करेंगे?

भाग – ख

3. मार्कोव का प्रमेय उदाहरणों सहित बताएं। 'मार्कोव विशेषता' धारण करने के लिए किसी यादृच्छिक चर R को क्या शर्त पूरी करनी होती है?

4. एक 'अनुजीवन फलन' की परिभाषा कैसे करते हैं? एक 'जोखिम फलन' किसी 'अनुजीवन फलन' से किस प्रकार भिन्न होती है?

5. एक लुंनवर्ग जोखिम प्रतिमान का निरूपण कैसे किया जाता है? इसमें वे परिवर्तन सुझाए जिनसे इसका विकल्प प्राप्त हो सके।

6. 'ऐच्छिक रोधन प्रमेय' बताइए। 'सामुदायिक जोखिम' के विश्लेषण के लिए किस तकनीक का प्रयोग हो सकता है?

7. इन पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें :

   (क) यौगिक पायजों प्रक्रिया;

   (ख) ब्लैक शोल्ज प्रमेय;

   (ग) पैंजर पुनरावृत्ति; और

   (घ) जोखिम विरत मूल्यांकन।

एम.ई.सी.इ–004 : वित्तीय संस्था एवं बाज़ार

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एमईसी–004
सत्रीय कार्य कोड : एमईसीई–004/सत्रीय कार्य/2020.21
कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। भाग 'क' का प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है और भाग 'ख' का प्रत्येक प्रश्न 12 अंकों का है।

भाग क

1. एक आधुनिक अर्थव्यवस्था में वित्तीय प्रणाली के प्रकृति की व्याख्या कीजिए, उसके मुख्य संस्थाओं, बाज़ार तथा औज़ारों के बारे में समझाते हुए। वित्तीय बाज़ार में कोष–प्रवाह की संकल्पना को समझाइये।

2. मार्कोविट्ज़ के कुशल पोर्टफोलियों चयन की चर्चा कीजिए। पूँजी परिसम्पत्ति मूल्य निर्धारण सिद्धांत इस पर कैसे आधारित है?

भाग ख

3. ब्याज दर की शर्त ढाँचा से संबधित विभिन्न सिद्धांतों की आलोचनात्मक जाँच कीजिए।

4. डेरिवटिव मूल्य निर्धारण सबंधित ब्लैक–शोल फार्मुला की चर्चा कीजिए।

5. किसी फर्म के लिवरेज की संकल्पना की चर्चा कीजिए। उपयोग किए जाने वाले मुख्य वित्तीय तथा लिवरेज अनुपातों की चर्चा कीजिए। मर्टन–मिलर प्रमेय समझाइये।

6. द्वैतीय बाज़ारों में जमा प्रणाली को आवश्यकता तथा भूमिका समझाइये। कस्टोडियल सेवा के

   संकल्पना को समझाइये।

7. स्थिर विनिमय दरों की परिस्थिति में मुद्रा नीति की तुलना कीजिए चर विनिमय दरों की परिस्थिति में मुद्रा नीति के साथ।